आईएमए का इंडक्शन प्रोग्राम

रास्ते के सरप्राइजेस और बंप्स से डरें नहीं, बढ़ते रहें

दबंग रिपोर्टर ✡ इंदौर

लक्ष्य की ओर बढ़ने वाला आपका प्रत्येक कदम नए सरप्राइजेस और बंप्स (चुनौतियों) से भरा होगा, लेकिन बावजूद इसके रास्ता भटके बिना मंजिल की ओर निरंतर कदम बढ़ाना जरूरी है, क्यूंकि चुनौती कितनी भी बड़ी क्यूं न हो सपने ऊंचे रखना बेहद जरूरी है तो हर सीमा को पार कर अपना लक्ष्य पा लेंगे।

यह बात साइकत मित्रा, डायरेक्टर, ट्रस्ट एंड सेफ्टी, गूगल ने गुरुवार को आईआईएम इंदौर द्वारा आयोजित आईपीएम के इंडक्शन प्रोग्राम के अंतिम दिन गेस्ट टॉक में मुख्य वक्ता के तौर पर 'बोन बॉयज' विषय पर कही। स्टूडेंट्स को प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा आपके लाइफ की एक नई जर्नी की शुरुआत हो चुकी है। लक्ष्य तय करना, अनुभवों से सीख लेना, भूलना, भूलकर सीखना जिंदगी के इस नए चेप्टर में सीखने को मिलेंगे, इसलिए अपने सीट बेल्ट्स बांधकर इस रोमांचक यात्रा के लिए तैयार हो जाएं।

नतीजे से न हों भयभीत

उन्होंने कहा परिणाम की चिंता में ध्यान से न भटकें। क्या सही है ये समझें, भयभीत न हों, परिणाम अच्छे मिलेंगे। हो सकता है आपकी यात्रा के शुरुआती दौर में आपको कुछ बदलावों और उतार-चढ़ाव से गुजरना पड़े, लेकिन हमेशा परिवर्तनों को गले लगाना सीखें, क्योंकि ये जीवन का हिस्सा है। उन्होंने कहा परिवर्तन से लड़ना ज्वर के खिलाफ लड़ने के समान है, जितनी जल्दी आप इस ज्वर से जीत जाओगे उतना आपके लिए बेहतर होगा, क्योंकि इससे परिवर्तन को अपनाने में आसानी होगी।

Dabang Dunia, August 4, 2017, Page - 14

3-day induction programme of IPM batch concludes

The three-day induction programme for youngest batch at the Institute—IPM 2017-22 concluded on Thursday. The third day witnessed a guest talk by Google's Trust & Safety director Saikat Mirta. He spoke on 'Bon Voyage' which revolved around the theme - a compass to navigate in a dynamic and changing world. An interaction session to familiarize the new batch with the faculty members was also held.

The Times of India
August 4, 2017
Page - 02

Talk on 'The Life Ahead'

Develop bridge between skills and compassion, IPM students suggested

OUR STAFF REPORTER
INDORE

Consulting psychologist Dr Sameer Golwelkar on Wednesday suggested newly admitted students of five-year Integrated Programme in Management (IPM) – an after school courses run by IIM Indore – to develop bridge between their skills and compassion which would help them enjoy life to the fullest.

He said this while delivering a talk on "The Life Ahead" along with Dr Sonia Golwelkar who is also psychologist, on the second day of induction programme of IPM's seventh batch.

Golwelkar began his talk mentioning that the young minds are like the fresh soil ready to cultivate.

The students would be leading various organisations in the coming years and their effective skills would depend on the seeds sown at this time."

He also discussed how to look within oneself, deal with self, add value to character, address head-heart conflicts, understand human relationship and develop as a whole.

The students also attended counselling sessions by Prachi Agarwal, counsellor, IIM Indore.

The highlight of the day was a talk by Ashwani Dahiya, global chief talent officer and head of HR (Corporate), Cipla.

He spoke on the topic - "The Importance of Positive Psychology and Resilience in Today's Challenging Times".

?While mentioning some facts and figures, Dahiya said that studies state that around 37 percent of people working in corporate sector are energised.

"But if a person is negative, chances of attaining success drop by 38 percent as compared to a positive person."

He explained how having no disease doesn't exactly means being healthy and absence of happiness doesn't mean a person is unhappy.

"Negative thoughts cause mental sickness, drain energy and affect daily life. Compared to a positive person, a negative person suffering from common cold may take one week longer to recover. The negative thought process can also be genetic, but it can be controlled up to 50-60 percent," he said.

He encouraged the participants to keep the energy level high with positive thoughts by -'P.E.R.M.A.', i.e. developing 'Positive' emotions, being focused and involved i.e. 'Engagement'; looking for positivity in 'Relationships'; finding the 'Meaning' of life and trying to value the 'Achievements'.

Noting that energy is always four dimensional, Dahiya advised the participants to be physically energised, emotionally connected, mentally focused and spiritually aligned -which would help them become a better person and be successful in life.

The day concluded with briefings on safety, security, library, gender sensitivity and facilities and systems of the institute to familiarise the participants.

Free Press, August 03, 2017, Page - 03

Management programme starts at IIM-I

Indore: The seventh batch of Integrated Programme in Management (IPM) started on Tuesday at IIM Indore. The second day of the programme began with a session on disability by Rama Chari.

Participants also attended counselling sessions by Prachi Agarwal, Counsellor, IIM Indore.

The highlight of the day was a talk by **Ashwani Dahiya**, global chief talent officer and head of HR of a private firm.

He spoke on the topic—The importance of positive psychology and resilience in today's challenging times. "Compared to a positive person, a negative person suffering from a common cold may take a week longer to recover. The negative thoughts can also be genetic, but it can be controlled up to 50-60 percent," he said.

The day concluded with briefings on safety, security and gender sensitivity. A briefing on Government of India directive on Prevention and Prohibition of Ragging also took place. TNN

Times of India
August 03, 2017
Page - 02

'तरक्की के मामले में हम चीन से कम्पीट नहीं कर पा रहे'

पूर्व फॉरेन सेक्रेटरी शिवशंकर मेनन आईआईएम में बोले

सिटी रिपोर्टर | इंदौर

मेन्यूफेक्चरिंग, सिक्योरिटी, इकोनॉमी सहित अन्य क्षेत्रों में भारत ने जबर्दस्त ग्रोथ की है लेकिन फिर भी हम चीन से कम्पीट करने में सक्षम नहीं हैं। चीन दूसरे देशों के साथ बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। दरअसल चीन ने जितनी तेजी से तरक्की की है, वैसी किसी भी देश ने नहीं की है।

आज प्रोडक्ट्स के सबसे बड़ा मेन्यूफेक्चरर, सबसे ज्यादा ट्रेडिंग करने वाला देश है और दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी आर्मी उसके पास है। चीन में पिछले 30 सालों में हुए विकास के आधार पर ये बातें पूर्व विदेश सचिव शिवशंकर मेनन ने मंगलवार को आईआईएम में कही। वे यहां स्पेशल इंस्ट्रेस्ट ग्रुप द्वारा चीन और भारत में बिज़नेस कम्पेरिंग विषय पर आधारित कार्यक्रम चाइना टुडे में बोल रहे थे।

शिवशंकर मेनन

संबंध बनाए रखने में सफल भारत-चीन

उन्होंने कहा कि भारत और चीन 1970-80 के दशक के बाद से ही परस्पर संबंध बनाए रखने में सफल रहे हैं। हालांकि कुछ मामलों में हमारे मतभेद रहे हैं लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर सहित कई क्षेत्र ऐसे हैं जिन पर हमने साथ में काम किया है और आगे भी कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि किसी भी देश का कोर इंट्रेस्ट, दो देशों के बीच शांतिपूर्ण संबंध बनाए रखने में मददगार साबित होते हैं।

नॉलेज के साथ लर्निंग का इंटीग्रेशन ज़रूरी

इस मौक पर उन्होंने इंटीग्रेटेड प्रोग्राम इन मैनेजमेंट की सातवीं बैच का भी इनॉग्रेशन भी किया। उन्होंने स्टूडेंट्स से कहा कि इंटरडिसिप्लीनरी कोर्स की पढ़ाई के साथ ही आपको कुछ इनोवेटिव करने की ओर भी फोकस करना चाहिए। नॉलेज के साथ लर्निंग को इंटीग्रेट करना बहुत ज़रूरी है। इसे इंटीग्रेट करने के बाद सोसायटी के लिए कॉन्ट्रिब्यूट करें। उन्होंने आईपीएम 2014 की बैच के स्टूडेंट्स को सर्टिफिकेट ऑफ एकेडमिक एक्सीलेंस भी प्रदान किए। आईपीएम की सातवीं बैच में 121 स्टूडेंट्स ने एडमिशन लिया है। जनरल कैटेगरी में मेल और फिमेल स्टूडेंट्स की संख्या क्रमशः 36 और 21 है। वहीं ओबीसी, एससी और एसटी कैटेगरी में क्रमशः 33, 18 और 9 स्टूडेंट्स के एडमिशन हुए हैं।

Dainik Bhaskar, August 02, 2017, Page - 18

आईआईएम में आईपीएम की सातवीं बैच शुरू

इंदौर ● आईआईएम इंदौर में इंटीग्रेटेड मैनेजमेंट प्रोग्राम का सातवां बैच मंगलवार को शुरू हुआ। इसमें 121 स्टुडेंट्स रजिस्टर्ड कि ए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ फॉर्मर फॉरेन सेक्रेटरी शिवशंकर मेनन ने किया। आईआईएम इंदौर के डायरेक्टर प्रो. ऋषिकेश टी कृष्णन और आईपीएम चेयरपर्सन प्रो. जी वेंकट रमन विशेष रूप से उपस्थित थे। प्रो. कृष्णन ने नई बैच का स्वागत करते हुए कहा कि आईपीएम का नया सिलेबस इस तरीके से तैयार किया गया है जिससे पार्टिसिपेंटस को अच्छे लीडर और मैनेजर के रूप में उभरने में मदद मिलेगी। प्रो. रमन ने कहा कि सिलेबस में इकोनॉमिक्स, स्टेटिस्टिक्स, मैथेमेटिक्स की बेस्ट चीजों को शामिल किया गया है। साथ ही योगा, फिलॉसोफी, म्यूजिक, स्पोर्ट्सजैसी चीजे ओवरऑल डेवलपमेंट के लिए हेल्पफुल रहेगी। मेनन ने स्टूडेंट्स से कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ कुछ इनोवेटिव करने पर भी ध्यान देना चाहिए ताकि आप सोसायटी में अपना स्पेशल कॉन्ट्रिब्यूशन दे सकें।

Patrika, August 02, 2017, Page - 13

फिलहाल दुनिया की अर्थव्यवस्था में चीन सबसे महत्वपूर्ण भूमिका में

आईआईएम में बोले पूर्व विदेश सचिव शिवशंकर मेनन

इंदौर। नईदुनिया रिपोर्टर

पिछले तीस सालों में चीन जितनी तरक्की किसी और देश ने नहीं की है। भारत ने भी मैन्युफैक्चरिंग, सिक्योरिटी आदि क्षेत्र में बहुत अच्छी प्रगति की है, लेकिन आज भी हम सभी क्षेत्रों में चीन के समतुल्य नहीं हैं। चीन कई प्रोडक्ट्स का विश्व का सबसे बड़ा निर्माता है और वो दूसरे देशों के साथ भी अच्छे से तालमेल बना रहा है। कुछ मसलों पर भारत-चीन के बीच मतभेद हो सकते हैं, लेकिन दोनों देशों ने 1970-80 के दशक के बाद से अच्छे रिश्ते बनाए रखे हैं।

उक्त विचार भारतीय प्रबंध संस्थान इंदौर में पूर्व विदेश सचिव शिवशंकर मेनन ने स्पेशल इंटरेस्ट ग्रुप द्वारा भारत और चीन के बीच व्यापारिक तुलना पर आयोजित विशेष व्याख्यान में रखे।

उन्होंने कहा कि आज चीन विश्व की अर्थव्यस्था में जितना महत्वपूर्ण है उतना पहले कभी नहीं रहा। विश्व की आधी अर्थव्यवस्था की प्रगति चार देशों की अर्थव्यवस्था पर निर्भर करती है जिसमें चीन शीर्ष पर है। चीन में सेंट्रलाइजेशन भी अब बढ़ रहा है। उन्होंने दोनों देशों के बीच संबंध सुधारने की दिशा में शामिल देशों के व्यक्तिगत रूचियों के बारे में भी चर्चा की। विद्यार्थियों ने भी श्री मेनन से सवाल-जबाव किए।

Naidunia, August 02, 2017, Page - 15

लक्ष्यों को रीसेट करना भी आर्ट

ट्रस्ट एंड सैफ्टी गूगल डायरेक्टर आईआईएम इंडक्शन में

यंग रिपोर्टर ● इंदौर
editor@peoplessamachar.co.in

आईआईएम प्रबंध संस्थान इंदौर में तीन दिनी इंडक्शन प्रोग्राम के अंतर्गत गुरुवार को गूगल सेफ्टी ट्रस्ट डायरेक्टर सिकत मिरता ने स्टूडेंट्स को संबोधित किया। उन्होंने स्टूडेंट्स को 'बोन बॉयज' विषय पर विचार रखे।

उन्होंने कहा कि दुनिया एक धुरी पर धरती के समान घूम रही है। नई बैच की शुरुआत के अवसर पर उन्होंने कहा- स्टूडेंट्स स्वयं को नवीनीकृत करें, लक्ष्यों को रीसेट करें। जीवन के नए चेप्टर को शुरू करने के लिए सीट बेल्ट्स को भी ध्यान में रखें। एक निश्चित लक्ष्य या एक बिंदु तक पहुंचने के लिए मेहनत करेंगे तो भटकेंगे नहीं। उन्होंने कहा कि मंजिल तक पहुंचने वाले मार्ग में बाधाएं आ सकती हैं, लेकिन उनसे निबटने के लिए स्वयं को तैयार रखें। सपना बड़ा देखें और हमेशा महत्वाकांक्षी रहें, ताकि सीमाओं को तोड़कर आगे बढ़ा जा सके, इसलिए जरूरी है कि ध्यान को एकाग्र रखा जाए।

परिवर्तनों के लिए हमेशा अपने आपको तैयार रखें

उन्होंने कहा कि समय के साथ उतार-चढ़ाव भी होंगे और बदलाव भी होंगे। सभी तरह के परिवर्तनों को अपनाने के लिए स्वयं को तैयार रखें, क्योंकि परिवर्तन से लड़ना किसी तूफान से लड़ने के समान है। जितनी जल्दी इस स्थिति को समझेंगे, उतने जल्दी बदलाव भी आपके अनुकूल होंगे।

Peoples Samachar, August 4, 2017, Page - 07